सम्पादकीय

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की की वार्षिक हिन्दी पत्रिका **"प्रवाहिनी"** के 14वें अंक को पाठकों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें अपार प्रसन्नता व गौरव की अनुभूति हो रही है । निदेशक महोदय के मार्गदर्शन , लेखकों के सहयोग तथा आप सभी के समन्वित प्रयासों व सहयोग से ही यह संभव हो सका है । प्रवाहिनी पत्रिका इस संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथसम्पादकीय

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की की वार्षिक हिन्दी पत्रिका प्रवाहिनीउ के 14वें अंक को पाठकों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें अपार प्रसन्नता व गौरव की अनुभूति हो रही है । निदेशक महोदय के मार्गदर्शन , लेखकों के सहयोग तथा आप सभी के समन्वित प्रयासों व सहयोग से ही यह संभव हो सका है । प्रवाहिनी पत्रिका इस संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा समस्त सुधी लेखकों के विचारों एवं सृजनशीलता को अभिव्यक्त करने का एक माध्यम है । इस पत्रिका में संस्थानेत्तर प्रबुद्ध व्यक्तियों की रोचक, ज्ञानवर्धक तथा महत्वपूर्ण रचनाओं को भी सम्मलित किया गया है । हम इन समस्त सुधी लेखकों का सहृदय से आभार प्रकट करते हैं ।

आशा है **"प्रवाहिनी"** का यह अंक पाठकों को रोचक तथा उपयोगी लगेगा। हमें इस पत्रिका की सामग्री, साज-सज्जा, प्रस्तुति तथा अन्य विधाओं में सुधार संबंधी पाठकों की प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा रहेगी ।

संपादक मंडल